गांधी के सत्य-अहिंसा के आदर्शों का स्मरण, मुख्य न्यायमूर्ति ने दी पुष्पांजलि

डीएनएलयू में गांधी जयंती और शास्त्री जयंती पर आयोजन, निर्माणाधीन परिसर का भी किया निरीक्षण

हरिभूमि, जबलपुर।

धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (डीएनएलयू), जबलपुर में गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायमूर्ति एवं डीएनएलयू के कुलाधिपति न्यायमूर्ति अल्पेश यशवंत कोगजे ने महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके सत्य, अहिंसा और न्याय के आदर्शों का स्मरण किया। कार्यक्रम में हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल और न्यायमूर्ति दीपक खोत भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) मनोज कुमार सिन्हा और कुलसचिव डॉ. प्रवीण त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर विभिन्न राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं शिक्षाविद भी मौजूद रहे।



भजनों की प्रस्तुति ने बांधा समां

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों प्रगति झा, मौली दीक्षित, अश्विनी बघेल, नेहल यादव, श्रीम शुक्ला और अर्जुन पांडेय ने 'वैष्णव जन तो' और 'रघुपति राघव राजा राम' की संगीतमय प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

निर्माणाधीन परिसर की प्रगति देखी

कार्यक्रम के बाद मुख्य न्यायमूर्ति कोगजे ने डुमना रोड स्थित डीएनएलयू के निर्माणाधीन स्थायी परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली और परिसर को शीघ्र तैयार किए जाने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि स्थायी परिसर विधि शिक्षा और अनुसंधान के लिए आधुनिक एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।



जनेकृविवि के 63वें स्थापना दिवस पर चलाया वृहद स्वच्छता अभियान

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के 63वें स्थापना दिवस एवं महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के नेतृत्व में अधिकारियों, प्राध्यापकों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों तथा राष्ट्रीय कैडेट कोर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों ने अटल बिहारी वाजपेयी प्रशासनिक भवन, कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र और छात्रावासों में साफ-सफाई की। कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा ने कहा कि स्थापना दिवस के अवसर पर सप्ताहभर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। गांधी जयंती पर 'स्वच्छ जनेकृविवि-हरित जनेकृविवि' के तहत स्वच्छता अभियान चलाकर संस्थान एवं आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया। कृषि महाविद्यालय के राष्ट्रीय कैडेट कोर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों ने रैली निकालकर स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। विद्यार्थियों ने महाविद्यालय परिसर और छात्रावास की सफाई कर एकल उपयोग प्लास्टिक एकत्रित किया। अभियान में डॉ. धीरेन्द्र खरे, डॉ. एस.के. प्यासी, डॉ. स्वाती बारचे, डॉ. ए.के. जैन, डॉ. टी.आर. शर्मा, डॉ. विजय यादव, डॉ. अल्पना सिंह, डॉ. अमित शर्मा, डॉ. बी.एस. द्विवेदी सहित अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आयुष्मान योजना पर निजी अस्पतालों की चिंताएं, समय पर भुगतान की मांग

जबलपुर। आयुष्मान भारत-निरामयम योजना के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं को लेकर एम.पी. नर्सिंग होम एसोसिएशन-यूनाइटेड हॉस्पिटल्स एसोसिएशन ने रानीताल स्थित आईएमए सभागार में पत्रकार वार्ता की। एसोसिएशन ने वैध दावों का समय पर भुगतान, लंबित बकाया के निपटारे और सभी संबद्ध अस्पतालों के साथ समान एवं पारदर्शी व्यवहार की मांग की। पदाधिकारियों ने योजना में शामिल अस्पतालों के लिए एनएबीएच मान्यता अनिवार्य किए जाने के कानूनी आधार पर स्पष्टता की मांग की। भुगतान, अनुबंध और वित्तीय मामलों से जुड़ी शिकायतों के लिए निष्पक्ष शिकायत निवारण व्यवस्था बनाने तथा किसी कार्रवाई से पहले अस्पतालों को अपना पक्ष रखने का अवसर देने पर भी जोर दिया। एसोसिएशन ने बताया कि इन समस्याओं को लेकर उच्च न्यायालय में मामला उठाया जा चुका है। समाधान नहीं होने पर राज्यव्यापी हड़ताल सहित वैधानिक कदमों पर विचार किया जाएगा। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि निजी अस्पताल आयुष्मान योजना के विरोधी नहीं, बल्कि इसके क्रियान्वयन में भागीदार हैं।



राष्ट्रीय मेगा डॉग शो आज से, देशभर से जुटेंगे श्वान प्रेमी

जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर में केनल क्लब ऑफ महाकौशल द्वारा 3 एवं 4 अक्टूबर 2026, शनिवार-रविवार को राष्ट्रीय स्तर के मेगा डॉग शो का आयोजन स्पोर्ट्स क्लब प्रांगण में किया जाएगा। के.सी.आई. के मापदंडों के अनुरूप आयोजित इस शो में देशभर से श्वान प्रेमियों के शामिल होने की संभावना है। आयोजकों के अनुसार करीब 30-35 प्रजातियों के 350 श्वान हिस्सा ले सकते हैं। आयोजन सुबह 10 बजे से होगा और दर्शकों के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

इस वर्ष शो को विशेष महत्व इसलिए भी दिया जा रहा है कि केनल क्लब ऑफ महाकौशल को मध्य भारत में पहला पॉइंटेड शो आयोजित करने का दर्जा मिला है। शनिवार को लैब्राडोर, गोल्डन रिट्रीवर एवं डॉबरमैन की तीन ब्रीड स्पेशलिटी शो तथा ओबेडिएंस शो होगा, जबकि रविवार को ऑल ब्रीड शो आयोजित किया जाएगा। ओबेडिएंस शो में मिक्स एवं प्योर ब्रीड के के.सी.आई. पंजीकृत श्वान भाग ले सकेंगे। मुख्य निर्णायक इवान सैंडोवल एवं फैबियन डाज़ा (कोलंबिया), रंजीत मुंजाल एवं प्रवीण कनुकुर्थी (भारत) होंगे। इस बार पश्मी, स्टैंडर्ड पूडल, एयरडेल टेरियर, वेल्श कॉर्गी और जैक रसेल टेरियर जैसी नस्लें भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। क्लब पदाधिकारियों डॉ. हर्ष सक्सेना, डॉ. संतोष यादव, सुखबीर सिंह लाम्बा, सुनैना पटेरिया, डॉ. अंकुर चौधरी, डॉ. प्रियंका चौधरी, एड. मनीष सोनी, मनीष कनौजिया एवं पुष्पिंदर कौर ने श्वान प्रेमियों से आयोजन में शामिल होने की अपील की।





162 वर्ष से रामलीला की त्रेतायुगीन छटा, 4 से होगा श्रीगणेश

जबलपुर। श्री गोविंदगंज रामलीला समिति की 162वीं रामलीला का शुभारंभ 4 अक्टूबर से होगा। समिति अध्यक्ष पं. अनिल तिवारी ने बताया कि इस बार पारंपरिक मंचन के साथ आधुनिक तकनीक का समावेश किया गया है। करीब तीन हजार वर्गफुट का ऊंचा मंच और टीन की छत तैयार की गई है, ताकि वर्षा में भी आयोजन प्रभावित न हो और सभी दर्शकों को स्पष्ट दर्शन हो सके। पुष्पवाटिका, अशोक वाटिका, रावण दरबार, बाणासुर का शिवपूजन, ताड़का-शूर्पणखा तथा मेघनाद की अग्निवर्षा विशेष आकर्षण रहेंगी। 4 अक्टूबर को मुकुट पूजन एवं चल समारोह से 21 दिवसीय आयोजन शुरू होगा। 5 अक्टूबर को राम जन्म-नारद मोह, 8 को धनुष यज्ञ, 9 को श्रीराम बारात, 14 को सीता हरण, 16 को लंका दहन, 18 को लक्ष्मण शक्ति और 22 अक्टूबर को श्रीराम राज्याभिषेक होगा। 24 अक्टूबर को भंडारे के साथ आयोजन का समापन होगा। संरक्षक रवि गुप्ता, व्यासपीठाचार्य पं. वासुदेव शास्त्री, कटरा महावीर मंदिर महंत पं. मोहन चौबे, महामंत्री मनीष पाठक, कोषाध्यक्ष मंगू गोयल, राकेश पाठक, पवन पाण्डे, महेश मालगुजार, आदि ने आमजन से उपस्थिति की अपील की है।

गांधी जयंती पर चला महाअभियान जनप्रतिनिधियों ने किया श्रमदान



जबलपुर। महात्मा गांधी जयंती पर नगर निगम द्वारा 'सेवा मेरा योगदान' और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत शहरभर में वृहद स्वच्छता एवं पौधरोपण अभियान चलाया गया। अधारताल तालाब, भटौली विसर्जन कुंड, महाराजपुर तालाब, माण्डवा बस्ती, सरकारी कुआं चौधरी बस्ती और रानीताल सर्वोदय नगर सहित सभी संभागों में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और स्कूली बच्चों ने श्रमदान किया। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीकि, विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी, सुशील तिवारी, निगमाध्यक्ष रिंकू विज, रत्नेश सोनकर, राजकुमार पटेल, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, संदीप रजक, अखिलेश जैन, निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। महापौर ने मशीन से अधारताल तालाब की चोई भी साफ कराई। अभियान में पौधरोपण के साथ कीटनाशक का छिड़काव किया गया। नागरिकों को एकल उपयोग प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की शपथ दिलाई गई तथा कपड़े के थैले वितरित किए गए। सफाई मित्रों ने भी अभियान में सक्रिय सहभागिता की। महापौर एवं जनप्रतिनिधियों ने माला पहनाकर सफाई मित्रों का सम्मान किया और प्रमाण पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम के अंत में सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।



50 साल बाद फिर अपने कॉलेज लौटेंगे 1976 बैच के छात्र

जबलपुर। इंजीनियरिंग कॉलेज जबलपुर के 1976 बैच के पूर्व छात्र 50 साल बाद 4-5 अक्टूबर को स्वर्ण जयंती पुनर्मिलन समारोह में जुटेंगे। पूर्व छात्र संगठन के अध्यक्ष सपन बोस, सचिव अनिल गर्ग और कोषाध्यक्ष राजेश मेहता ने बताया कि देश-विदेश से करीब 70 पूर्व छात्र परिवार सहित शामिल होंगे। 4 अक्टूबर को होटल कृष्णा में स्वागत एवं पंजीयन के बाद सभी भेड़ाघाट जाएंगे, जहां भोजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। 5 अक्टूबर को पूर्व छात्र अपने पुराने कॉलेज पहुंचेंगे। जश्न समागार में प्राचार्य डॉ. राजीव चांडक, पूर्व प्राचार्य डॉ. एमसी चौबे और विभागाध्यक्षों की मौजूदगी में समारोह होगा। वर्ष 1976 में सेवाएं देने वाले प्राध्यापकों का शॉल-श्रीफल से सम्मान किया जाएगा। पूर्व छात्रों ने वर्तमान विद्यार्थियों से संवाद के लिए 'द सिनर्जी प्वाइंट' तैयार कराया है। विभागों का भ्रमण कर पुरानी यादें ताजा की जाएंगी। आयोजन का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्मृति-चिह्न वितरण और रात्रिभोज से होगा।

सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता का संदेश दे रहा यूपी-बिहार महासंघ

जबलपुर। उत्तरप्रदेश-बिहार महासंघ का 30वां स्थापना दिवस समारोह शुक्रवार को आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सामाजिक एकता, सांस्कृतिक संरक्षण और प्रतिभाओं के सम्मान का संदेश दिया गया। निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में लोगों ने चिकित्सकीय परामर्श लिया। 75 वर्ष पूर्ण कर चुके वरिष्ठजनों तथा 75 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। भोजपुरी गीत-संगीत एवं नृत्य ने कार्यक्रम में रंग भर दिया। महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि, कुलगुरु डॉ. पीके मिश्रा, विधायक अशोक रोहाणी, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, भाजपा जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर सहित अतिथि उपस्थित रहे। स्वामी अखिलेश्वरानंद ने उत्तरप्रदेश-बिहार की संस्कृति की सराहना की। डॉ. पीके मिश्रा ने महासंघ को समाज को जोड़ने वाला संगठन बताया। डॉ. राजेश जायसवाल ने संगठन की गतिविधियों का विवरण देते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया और पारदर्शिता पर जोर दिया तथा कुछ लोगों पर संगठनात्मक अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए कानूनी कार्रवाई की बात कही।



गांधी जयंती पर स्काउट्स-गाइड्स ने लिया सत्य, अहिंसा और सेवा का संकल्प

जबलपुर। महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स मध्यप्रदेश, जिला संघ जबलपुर द्वारा शुक्रवार को पी.एम. श्री एम.एल.बी. कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नेपियर टाउन में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम सहायक राज्य संगठन आयुक्त ललित कुमार मिश्रा, नगर निगम अध्यक्ष एवं जिला संघ अध्यक्ष रिकुंज विज, जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्बे, जिला संरक्षक अजय तिवारी एवं जिला मुख्य आयुक्त डॉ. विजयकांत तिवारी के नेतृत्व में हुआ। मुख्य अतिथि कैंट विधायक अशोक रोहाणी तथा अध्यक्षता महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने की। विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, आयुक्त मध्यप्रदेश निशक्तजन संदीप रजक एवं सहायक संचालक व विकासखंड शिक्षा अधिकारी पनागर सोनम कटारे उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में "कचरे से कमाल" विषय पर क्राफ्ट प्रदर्शनी और समूह गायन प्रतियोगिता आयोजित हुई। विजेताओं को सम्मानित किया गया। राज्यपाल द्वारा पूर्व वर्षों में प्रदान किए गए मध्यप्रदेश के सर्वोच्च पुरस्कार से सम्मानित स्काउट्स-गाइड्स का भी विशेष सम्मान हुआ। कार्यक्रम में जिले के करीब 450 स्काउट्स, गाइड्स एवं यूनिट लीडर्स ने सहभागिता की। आयोजन में बेला सिंह, देवेन्द्र कुमार भट्ट, व्ही.के. झारिया, अमिता चौधरी, प्रतिभा दुबे, अंजना वर्मा, राहुल राजपूत, ममता देवी सिंह, दीपक नामदेव, लेखराम यादव, विशाल तिवारी, अंकित दाहिया सहित पदाधिकारियों एवं यूनिट लीडर्स का सहयोग रहा।



ब्राह्मण स्वयंवर संस्कार महासभा का 27वां युवक-युवती परिचय सम्मेलन 22 नवंबर को



जबलपुर। ब्राह्मण स्वयंवर संस्कार महासभा, जबलपुर का 27वां भव्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन 22 नवंबर 2026, रविवार को मानस भवन, जबलपुर में आयोजित किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर उखरी तिराहा स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में महासभा के वरिष्ठ अध्यक्ष पंडित मुन्नालाल दुबे की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा कर पदाधिकारियों को प्रचार-प्रसार सामग्री, बायोडाटा प्रारूप एवं बैनर वितरित किए गए। पंडित मुन्नालाल दुबे ने बताया कि सम्मेलन के लिए अधिक से अधिक योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा एकत्रित कर विवाह योग्य संबंधों के लिए मंच उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर 1101 विवाह योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा वाली समाज की प्रमुख वैवाहिक पत्रिका 'नवजीवन' का विमोचन भी किया जाएगा। बैठक में कमलेश दुबे, रमेश दत्त पाण्डेय, सत्य प्रकाश शर्मा, महेश स्थापक, के.के. शुक्ला, दिवाकर शर्मा, नारायण पांडे, आनंद शुक्ला, बद्री प्रसाद चौबे, अजय तिवारी, सतीश अवस्थी, रामसेवक उपाध्याय, अशोक दुबे एवं त्रिभुवन किशोर मिश्रा ने विचार रखे।

गांधी जयंती पर धुआंधार में चला स्वच्छता अभियान

भेड़ाघाट। गांधी जयंती के अवसर पर भेड़ाघाट नगर परिषद द्वारा सेवा संकल्प अभियान के तहत धुआंधार में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान धुआंधार क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया गया। इसके बाद सफाई मित्रों को स्वच्छता कार्य से संबंधित सामग्री का वितरण किया गया तथा उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। नगर परिषद कार्यालय के सामने पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि विधायक नीरज सिंह ठाकुर रहीं। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष चतुर सिंह लोधी, विधायक प्रतिनिधि ओम नारायण दुबे, उपाध्यक्ष जगदीश दहिया, पूर्व उपाध्यक्ष किशोर दुबे, पार्षद महेश तिवारी एवं अजय पटेल सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी विक्रम झरिया, सब इंजीनियर निधि परोहा, लक्ष्मी नारायण दुबे, सुनील बैरागी, विजय करी, अमित मिश्रा सहित नगर परिषद के अधिकारी-कर्मचारी एवं सभी सफाई मित्र मौजूद रहे।

घमापुर चौराहा व रेलवे ब्रिज नं. 2 की समस्या पर तत्काल कार्रवाई की मांग

जबलपुर। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने नगर निगम आयुक्त को पत्र भेजकर घमापुर चौराहा एवं रेलवे ब्रिज नं. 2 की यातायात समस्याओं के तत्काल निराकरण की मांग की है। मंच ने घमापुर चौराहे पर लेफ्ट टर्न का रास्ता बनाने तथा रेलवे ब्रिज नं. 2 के चौड़ीकरण के लिए राशि भुगतान संबंधी समस्या का समाधान कर कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने की मांग की। पत्र में बताया गया कि डॉ. पी.जी. नाजपांडे एवं रजत भार्गव द्वारा हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका पर न्यायालय के निर्देशानुसार ट्रैफिक मैनेजमेंट सेल गठित किया गया है तथा नगर निगम को इसकी नोडल एजेंसी बनाया गया है।

आम सूचना

दिनांक- 01/10/2026

श्री विमलेश साहू आत्मज कारेलाल आयु 37 वर्ष
निवासी- हाउस नं. 72 वार्ड नं. 07 भगतसिंह वार्ड शाहपुरा मनकेंदी जबलपुर म.प्र. आधार नं. 3988 1780 0296

आप नोटिसी द्वारा श्री रूपेश अग्रवाल आत्मज गौरीशंकर अग्रवाल बम्हनी बंजर मण्डला के महुआ व्यवसायी की देय राशि हेतु उसे निम्नांकित चार चौक कुल 13,25,000/- रू. की राशि हेतु प्रदान किये थे-

क्र.	चैक क्र.	चैक राशि	चैक दिनांक
1	068909	3,00,000	11.07.2026
2	068910	3,00,000	17.07.2026
3	068911	3,00,000	21.07.2026
4	068918	4,25,000	27.07.2026

उक्त सभी चैक दिनांक 12/08/2026 को अनादरित हो गये थे एवं आपके फोन पर निदेर्शानुसार प्रस्तुत करने पर पुनः दिनांक 04/09/2026 को आपके बैंक ने अनादरित कर दिये हैं। आपको तदसंबंध में रूपेश अग्रवाल ने अधिवक्ता के माध्यम से स्पीड पोस्ट से उक्त कुल 13,25,000/- रू. की राशि भुगतान करने बावद् नोटिस भी प्रेषित किया। इसलिये इस आम सूचना के भी द्वारा आपसे उक्त 13,25,000/- रू. (तेरह लाख पच्चीस हजार रुपए) भुगतान करने सूचना प्रेषित की जाती है शीघ्र भुगतान कर पावती प्राप्त करें।

अनुराग चौरसिया अधिवक्ता
कार्यालय-शताब्दी लॉयर्स चेम्बर नं. 107, सिविल कोर्ट, मण्डला
मोबा. 9752885550 (म.प्र.)
वास्ते- रूपेश अग्रवाल आत्मज गौरीशंकर, अग्रवाल बम्हनी बंजर मण्डला

नाखूनों में छिपी थी 2 साल पुरानी मर्डर मिस्ट्री, डीएनए मैच होते ही पकड़े गए महिला के 3 हत्यारे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खमतराई थाना पुलिस ने डीएनए रिपोर्ट के आधार पर हत्या के तीन आरोपित मनहरण सारंग (33), राजेश पाल उर्फ चोटी उर्फ राजू (31) और राजू मंडल उर्फ बंगाली (35) को गिरफ्तार किया है। शराब को लेकर हुए विवाद के बाद लता साहू की हत्या कर दी गई थी। करीब दो साल तक अज्ञात रहे इस हत्याकांड में पुलिस को सफलता मृतिका के नाखूनों में मिले जैविक साक्ष्य से मिली।

घटना के समय लता के नाखूनों में मिले जैविक साक्ष्य को पुलिस ने सुरक्षित कराकर डीएनए प्रोफाइल तैयार कराया था। वर्ष 2026 में संदिग्धों के डीएनए नमूने लिए गए और पुराने प्रोफाइल से वैज्ञानिक मिलान कराया गया। पुलिस के मुताबिक तीनों आरोपियों का डीएनए मृतिका के नाखूनों से मिले जैविक साक्ष्य से मेल खा गया। इसके बाद वैज्ञानिक साक्ष्य के आधार पर हुई पूछताछ में पुलिस के सामने हत्या की पूरी कड़ी खुलती चली गई।

संदिग्ध सामने आए तो पुराने डीएनए से कराया मिलान



मामले में डीसीपी दीपमाला कश्यप ने जानकारी देते हुए बताया कि 21 अगस्त 2024 को ट्रांसपोर्ट नगर में लता साहू की हत्या हुई थी। उस समय आरोपियों की पहचान नहीं हो सकी थी। हत्या की जांच के दौरान पुलिस को मृतका के हाथों के नाखूनों में अज्ञात व्यक्ति के जैविक साक्ष्य मिले। पुलिस ने इस साक्ष्य को महत्वपूर्ण मानते हुए विधिवत सुरक्षित कराया और डीएनए प्रोफाइलिंग कराई। यही वैज्ञानिक साक्ष्य करीब दो वर्ष बाद मामले को सुलझाने में निर्णायक कड़ी बना। पुलिस की जांच के दौरान वर्ष 2026 में कुछ संदिग्ध व्यक्तियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने संदिग्धों के डीएनए नमूने लिए। इन नमूनों को 2024 में मृतिका के नाखूनों से सुरक्षित किए गए जैविक साक्ष्य के डीएनए प्रोफाइल से मिलान के लिए भेजा गया। पुलिस के अनुसार, वैज्ञानिक परीक्षण में मनहरण सारंग, राजेश पाल और राजू मंडल के डीएनए का मिलान मृतका के नाखूनों से प्राप्त जैविक साक्ष्य से हुआ। इस रिपोर्ट ने करीब दो साल पुराने अज्ञात हत्या के मामले की जांच को महत्वपूर्ण दिशा दी। इसके बाद तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई।

पुलिसने साक्ष्य सामने रखे तो बदलते रहे बयान

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के शुरुआती दौर में तीनों आरोपित घटना के संबंध में स्पष्ट जानकारी देने से बचते रहे। उन्होंने अलग-अलग बातें बताईं। हालांकि पुलिस के पास मौजूद डीएनए रिपोर्ट के आधार पर लगातार पूछताछ की गई। वैज्ञानिक साक्ष्य के संबंध में सवाल किए जाने पर आरोपियों से घटना के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई। पूछताछ में पुलिस के सामने जो घटनाक्रम आया, उसके अनुसार घटना वाली रात तीनों लता साहू के घर पर शराब पी रहे थे। शराब खत्म होने के बाद दोबारा शराब लाने को लेकर विवाद शुरू हुआ। देखते ही देखते विवाद झूमाझटकी में बदल गया।

एक ने गला दबाया, दो ने हाथ-पैर पकड़े

पुलिस के अनुसार, आरोपियों के कथन में सामने आया कि विवाद के दौरान राजू मंडल ने लता का गला दबाया। मनहरण सारंग ने उसके दोनों हाथ पकड़ रखे थे, जबकि राजेश पाल ने उसके दोनों पैर पकड़ लिए थे। लता ने बचने के लिए संघर्ष किया और आरोपियों को नोचने का प्रयास किया। इसी दौरान उनके जैविक साक्ष्य लता के नाखूनों में रह गए पुलिस के मुताबिक, कुछ देर बाद लता की छटपटाहट बंद हो गई। इसके बाद तीनों आरोपी घर में रखी नकदी, साड़ी और बाजारू पायल लेकर पीछे की दीवार से निकलकर फरार हो गए।

बचने के लिए संघर्ष किया और आरोपियों को नोचने का प्रयास किया

पुलिस के अनुसार, नकदी तीनों ने आपस में बांट ली थी, जबकि साड़ी और पायल मनहरण सारंग ने अपने पास रखी थी।

राजू मंडल के खिलाफ पहले से हत्या समेत तीन मामले

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी राजू मंडल उर्फ बंगाली के खिलाफ पहले से दो चोरी और एक हत्या के मामले दर्ज हैं। वर्तमान हत्या का मामला उसके खिलाफ दर्ज चौथा अपराध है। वहीं मनहरण सारंग के खिलाफ मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाने और अवैध वसूली का अपराध दर्ज होने की जानकारी पुलिस रिकार्ड में सामने आई है।

खबर संक्षेप

बालोद में 5 करोड़ से बनेगा साइंस सेंटर

बालोद। किताबों में विज्ञान पढ़ने वाले बालोद के विद्यार्थियों को अब विज्ञान को देखने, छूने, प्रयोग करने और अनुभव करने का मौका मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में विज्ञान, नवाचार और आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में डौंडी ब्लॉक के पथराटोला में करीब 5 करोड़ रुपए की लागत से साइंस सेंटर एंड एक्सपीरियंस डेस्टिनेशन विकसित किया जा रहा है। केंद्र को इंटरैक्टिव लर्निंग प्लेटफॉर्म के रूप में तैयार करने की योजना है, जहां विद्यार्थी वैज्ञानिक सिद्धांतों को केवल पढ़ेंगे नहीं, बल्कि प्रयोग और तकनीक के माध्यम से उन्हें समझ सकेंगे। जिला पंचायत सीईओ सुनील चंद्रवंशी के अनुसार साइंस सेंटर का टेंडर हो चुका है। आगामी 8 से 10 दिनों में वर्क ऑर्डर जारी होने की संभावना है।

ग्राम सभाओं में दें खाद्य योजनाओं की जानकारी

भोपाल। प्रदेश की ग्राम पंचायतों में दो अक्टूबर को ग्राम सभाओं का आयोजन प्रस्तावित है। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने निर्देशित किया है कि संबंधित ग्राम पंचायत में उचित मूल्य विक्रेता योजनाओं की जानकारी दें। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून में पात्र परिवार को निःशुल्क गेहूं, चावल, नमक एवं प्राथमिकता श्रेणी परिवार को निःशुल्क गेहूं, चावल 5 किलो प्रति सदस्य एवं नमक दिया जाता है।

ऐसा कार्य करें कि दायित्व बदलने के बाद भी कार्यकर्ता हृदय से याद करें

कांग्रेस के पास जनता के विकास और प्रदेश के भविष्य को लेकर कोई विजन नहीं: बिप्लब

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी ने की भाजपा प्रदेश कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक



भाजपा के पदाधिकारियों, संभाग प्रभारियों व मोर्चों के प्रदेशाध्यक्षों की बैठक।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में गुरूवार को पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों, संभाग प्रभारियों एवं मोर्चों के प्रदेश अध्यक्षों की बैठक आयोजित हुई। इस बैठक को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री, प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रदेश सह प्रभारी रेखा वर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने संबोधित किया। प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा का संगठन मजबूत, सक्रिय और व्यापक है। संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की एकजुटता के कारण कांग्रेस हमारे मुकाबले में नहीं है। कांग्रेस संगठन लगातार कमजोर हो रहा है और वहां असंतोष एवं टूट की स्थिति दिखाई दे रही है। विपक्षी दलों के पास जनता के विकास और प्रदेश के भविष्य को लेकर कोई स्पष्ट विजन नहीं है। उन्होने कहा कि भाजपा में लोकतांत्रिक संवाद और सामूहिक निर्णय की परंपरा है। सभी नेता और कार्यकर्ता मिलकर संगठन को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं और आगे भी इस कार्य को निरंतर बनाए रखेंगे। शालीनता, अनुशासन और संवाद भाजपा की कार्य संस्कृति की पहचान है। संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता और पदाधिकारी का आचरण पार्टी की मर्यादा और परंपराओं के अनुरूप होना चाहिए।

कार्यकर्ताओं की सक्रियता ही संगठन की ताकतः चंद्रशेखर

प्रदेश सगंठन महामंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि भाजपा आज जिस मुकाम पर पहुंची है, उसके पीछे वर्षों का संघर्ष, त्याग और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। अनेक कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि संगठन की इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए जनसेवा को अपना मूल आधार बनाकर जनता के विश्वास को हमेशा कायम रखना है।

उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना होगाः रेखा वर्मा

प्रदेश सह प्रभारी रेखा वर्मा ने कहा कि बैठक में संगठन को लेकर जो मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है, उस पर पूरी गंभीरता और प्राथमिकता के साथ फोकस करते हुए आगे बढ़ेंगे। बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक मजबूत करने के साथ ही कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय और संवाद स्थापित किया जाएगा। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य भी निरंतर जारी रहेगा।

कार्यकर्ता की नाराजगी संगठन से न जुड़े

प्रदेश प्रभारी देब ने कहा कि संगठन में दायित्व मिलना या दायित्व से हटना स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन किसी भी परिस्थिति में कार्यकर्ता की नाराजगी संगठन से नहीं जुड़नी चाहिए। संगठन में काम करने वाले प्रत्येक पदाधिकारी की जिम्मेदारी है कि वह अपने क्षेत्र में कार्यकर्ताओं से संवाद बनाए रखें और संगठनात्मक कारणों से किसी भी कार्यकर्ता में असंतोष न रहे। पद स्थायी नहीं होता, लेकिन कार्यकर्ता के बीच किया गया काम और बनाया गया विश्वास लंबे समय तक याद रहता है। इसलिए पदाधिकारी अपने कार्यकाल में ऐसा काम करें कि पद समाप्त होने के बाद भी कार्यकर्ता उन्हें सम्मान और विश्वास के साथ याद करें।

बाबा साहेब की प्रतिमा पर रेखा ने किया माल्यार्पण



भोपाल। भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रदेश सह प्रभारी रेखा वर्मा ने गुरुवार को बोर्ड ऑफिस चौराहा स्थित संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस अवसर पर पार्टी की पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह जादौन, पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह, प्रकोष्ठ संकुल के प्रदेश सह संयोजक अजय शर्मा एवं जिला अध्यक्ष रविंद्र यति सहित पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विकसित भारत संकल्प सभा की बैठक में शामिल हुए प्रदेश अध्यक्ष

सेवा ज्योति यात्रा एवं विकसित भारत संकल्प सभा की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित बैठक में भाजपा प्रदेश कार्यालय से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, राष्ट्रीय महामंत्री, प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रदेश सह प्रभारी रेखा वर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने वर्चुअल सहभागिता की।

आदिवासियों के बीच पहुंचे नेता प्रतिपक्ष

राज्य सरकार बीमारी से निपटने में पूरी तरह से असफलः राहुल गांधी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कांग्रेस के नेतृत्व व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को बिरसा ब्लॉक के जगला गांव में बैगा आदिवासियों से मुलाकात की। कुपोषण और मलेरिया की वजह से यहां दर्जनों बच्चों की मौत हो गई थी। उन्होंने मृत बच्चों के परिवार से मुलाकात कर सच्चाई को जाना और समझा। यहां वे करीब एक घंटे रुके और बीमारी से जान गंवाने वाले बच्चों के परिवारों से भी मिले। राहुल से मिलने आसपास के गांवों से करीब डेढ़ हजार लोग पहुंचे। इससे पहले उन्होंने माटे प्राथमिक शासकीय स्कूल में बच्चों से मिड डे मील के बारे में जाना।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की सरकार 24 घंटे विकास की केवल बात करती है जबकि 24 घंटे भ्रष्टाचार करती है। यही वजह है कि यहां स्वास्थ्य व्यवस्था भ्रष्टाचार की शिकार है। जब आदिवासी परिवार को सरकार की जरूरत थी तब वो उनके साथ नहीं थी। आदिवासी परिवार के बच्चों की मौत का मामला लोकसभा में उठाएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि मध्यप्रदेश की सरकार रात दिन सिर्फ विकास की बातें करती है,जबकि भ्रष्टाचार भी चौबीसों घंटे चल रहा है। उन्होंने कहा कि जरूरत के समय आदिवासी परिवारों के साथ सरकार खड़ी नजर नहीं आई।



आदिवासियों के बीच मौजूद राहुल गांधी।

गांव में स्कूल, अस्पताल की सुविधाएं नहीं

राहुल गांधी ने कहा कि हैरानी होती है कि गांव में स्कूल.अस्पताल की सुविधाएं नहीं हैं। राहुल ने कहा कि कांग्रेस की सरकार आने पर हर पांचवा व्यक्ति आदिवासी है। राहुल गांधी ने कहा कि मध्य प्रदेश की आबादी में आदिवासियों की हिस्सेदारी 21.1:फीसदी है। यानी हर पांचवां व्यक्ति आदिवासी है। फिर भी सरकार प्रदेश में आदिवासियों की अनदेखी कर रही है। इसका असर चुनाव में भी दिखता है। विधानसभा की 230 सीटों में 47 सीटें एसटी की है। आरक्षित हैं जबकि 37 अन्य सीटों पर भी आदिवासी वोट अहम माना जाता है। यानी कुल 84 सीटों पर इसका असर है। लोकसभा की 29 सीटों म छह सीटें एसटी के लिए आरक्षित है। उन्होंने सरकार से अपनी जिम्मेदारी पूरी करने और कम से कम परिवारों को जमीन का पट्टा देने की मांग की।

डॉक्टर से लाखों की ठगी, केस दर्ज

क्रिप्टो ट्रेडिंग में मुनाफा दिखाकर की 25.66 लाख की धोखाधड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

क्रिप्टो करेंसी और यूएसडीटी ट्रेडिंग में निवेश कर कम समय में बड़ा मुनाफा कमाने का झांसा देकर ठगी की गई है। आजाद चौक थाना पुलिस ने समता कॉलोनी निवासी चिकित्सा अधिकारी राकेश कुमार मिश्रा की शिकायत पर रेशमी गुप्ता और सुरेश चौहान के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है।

डॉक्टर से शुरुआत में निवेश कराकर दिखाया फायदा

आरोप है कि दोनों ने ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर शुरुआती निवेश में फायदा दिखाकर भरोसा जीता और बाद में अलग-अलग बैंक खातों व यूपीआई के माध्यम से 25 लाख 66 हजार 900 रुपये जमा करा लिए। रकम निकालने की कोशिश करने पर आरोपियों ने उसे रोक दिया।

फेसबुक के जरिए हुई आरोपियों से पहचान

मिश्रा ने पुलिस को बताया कि अगस्त 2026 में फेसबुक के माध्यम से रेशमी गुप्ता नाम की युवती से संपर्क हुआ था। उसने क्रिप्टो करेंसी में निवेश का प्लान बताते हुए अच्छा मुनाफा होने का भरोसा दिलाया। इसके बाद उसने अपने सीनियर सुरेश चौहान से संपर्क कराया। सुरेश ने शिकायतकर्ता को सिनचेन नामक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत कराया। यहां शुरुआती ट्रेडिंग में मुनाफा दिखाया गया।

किसानों की केंद्र सरकार से गेहूँ के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी की मांग

फिर ठगे गये किसान...गेहूं के समर्थन मूल्य में केवल 25 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि से किसानों में रोष

जबलपुर। विगत दिनों केंद्र सरकार ने वर्ष 2027-28 के लिए रबी की 6 फसलों- गेहूं, जो, चना, मसूर,सरसों एवं कुसुम के समर्थन मूल्य घोषित किये। गेहूं के समर्थन मूल्य में विगत वर्ष की तुलना में इस वर्ष केवल 25 रुपये की बढ़ोतरी किये जाने से किसान सकते में है। वे अपने आप को ठगा महसूस कर रहे हैं। पिछले वर्ष गेहूं का समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल था, किसान आंदोलनो के चलते प्रदेश सरकार इस पर 40 रुपये बोनस देने मजबूर हुई थी। अब इस वर्ष 2610 रुपये किया गया है । केंद्र सरकार द्वारा विगत वर्ष प्रति क्विंटल 160 रुपये की बृद्धि की गई थी। इस वर्ष केवल 25 रुपये की बृद्धि हुई है जो विगत 15 वर्षो की तुलना में सबसे कम है। किसानों को उम्मीद थी की कम से कम उसे पिछले वर्ष से ज्यादा दाम मिलेगा,परन्तु वह फिर ठगा गया, सरकार की इस घोषणा से वह न केवल अत्यंत निराश हुआ है, वरन रोष में है। इस वर्ष खाद, बीज, दवाओ, कृषि उपकरण, डीजल, अन्य आदान सामग्री आदि की कीमतों में अप्रत्याशित बृद्धि से खेती की लागत 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ गई है। विगत वर्ष के गेहूं के समर्थन मूल्य में भी बा मुश्किल किसी तरह वह अपनी लागत निकाल पा रहा था। मध्य प्रदेश की मुख्य फसल गेहूँ है, यहाँ की जमीन व जलवायु गेहूँ के लिए अत्यंत उपयुक्त है, इसलिए गेहूं लगाना उसकी मजबूरी है। अब क्या होगा ? किसान को अपने भविष्य की चिंता सताने लगी है। वह रोष में है। किसानों के गैर राजनैतिक, वर्ग विहीन, राष्ट्रीय संगठन भारत कृषक समाज ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय कृषि मंत्री को पत्र लिखकर किसानों की चिंता से उन्हें अवगत कराते हुए गेहूं का समर्थन मूल्य बढ़ाए जाने की मांग की है। कृषक समाज के के.के.अग्रवाल, रूपेंद्र पटेल, जे. आर. गायकवाड़, सुभाष चंद्रा, रामगोपाल पटेल, प्रमोद मरवाहा, रामकिशन पटेल, अविनाश राय, संजय जैन, अनिल चिले, डॉ प्रकाश दुबे, व्ही के पंड्या, सी एल शर्मा, रमेश नवेरिया, रामेश्वर अवस्थी, सुशील जैन, योगेश पटेल, हरनारायण सिंह, मनीष सोनी, किसान सेवा संगठन के जितेंद्र पटेल, सुरेश कुर्मी, महेन्द्र पटेल, अंकित पटेल, रामदीन पटेल, मुकेश सिंह ठाकुर, पंचम हल्दकार, मनोज पटेल, श्रीमती मीतू शुक्ला, जुगल किशोर पटेल , श्रीमती सपना काछी आदि ने कहा है की सरकार ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में 2700 रुपये मे गेहूँ खरीद का वायदा किया था, अब वह किसानों के साथ वायदा खिलाफी कर रही है, किसानों में भारी रोष व्याप्त है। किसानो से एकजुट होकर इस वायदा खिलाफी व नाकाफी बृद्धि के विरोध में आवाज उठाने की अपील की गई है।

मप्र पंचायत राज अधिनियम के प्रस्तावित संशोधनों पर मंथन

पंचायतों को जवाबदेह, पारदर्शी और आत्मनिर्भर बनाना प्राथमिकताः पटेल

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा है कि त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को अधिक सक्षम, जवाबदेह और पारदर्शी बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिससे विकास योजनाओं का सीधा लाभ ग्रामीण अंचल के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। पटेल विकास भवन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 में समय की आवश्यकता के अनुसार प्रस्तावित संशोधनों के प्रारूप पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा की गई।



पंचायतों के अधिकारों के युक्तियुक्तकरण पर बल

मंत्री पटेल ने समीक्षा बैठक में 73वें संविधान संशोधन की मूल भावना के अनुरूप ग्राम सभा और ग्राम पंचायतों के अधिकारों व कृत्यों के युक्ति युक्तकरण पर बल दिया। इसके तहत ग्राम सभा को नीतिगत व जनसहभागिता की सशक्त संस्था बनाते हुए स्वच्छता, पेयजल, सड़क और अधोसंरचना निर्माण जैसे सभी कार्यकारी दायित्व सौंपने का निर्णय लिया गया है। साथ ही ग्राम सभा की अप्रासंगिक हो चुकी पुरानी समितियों के प्रावधानों को विलोपित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। ग्राम सभा के अतिरिक्त सम्मेलन बुलाने की जिम्मेदारी सरपंच को देने तथा कोरम के अभाव में दो बार बैठक स्थगित होने पर तीसरी बैठक में विकास कार्यों के एजेंडे पर नियमानुसार विचार करने का मार्ग प्रशस्त किया गया है।

प्रभारी अधीक्षिका की मनमानी से तंग आईं छात्राएं, शिकायत की

हरिभूमि न्यूज ⏭ सूरजपुर

नगर के पंडित रेवतीरमण मिश्र शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के कन्या छात्रावास का विवाद गुरुवार शाम को कलेक्टोरेट पहुंच गया। छात्रावास की छात्राओं ने जिला संयुक्त कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर रेना जमील से मुलाकात की और प्रभारी छात्रावास अधीक्षिका नीरजा भगत के खिलाफ गंभीर शिकायतें रखते हुए जांच और कार्रवाई की मांग की। कलेक्टर ने जांच करा अग्रिम कार्रवाई का भरोसा दिया।

छात्राओं की शिकायत में कथित दबाव बनाने, अमानवीय व्यवहार, सादे कागज पर हस्ताक्षर कराने तथा मेस संचालन करने वाले महिला स्व सहायता समूह से हर माह कमीशन मांगने जैसे आरोप लगाए गए हैं। कलेक्टर ने मामले की जांच कराकर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई का भरोसा दिया है। छात्राओं के अनुसार, महाविद्यालय में लाइब्रेरियन के पद पर कार्यरत नीरजा भगत को वर्तमान में कन्या छात्रावास का प्रभारी अधीक्षक बनाया गया है। वहीं, नए छात्रावास अधीक्षक के रूप में वीरेंद्र सिन्हा की नियुक्ति हो चुकी है, लेकिन उन्हें अब तक छात्रावास का प्रभार नहीं सौंपे जाने को लेकर भी छात्राओं ने सवाल उठाए हैं। छात्राओं ने आरोप लगाया कि प्रभारी अधीक्षिका द्वारा आए दिन उन्हें परेशान किया जाता है और विभिन्न मामलों में दबाव बनाया जाता है। छात्राओं के मुताबिक छात्रावास में मेस संचालन करने वाले महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं से हर माह कमीशन की मांग किए जाने को लेकर भी विवाद की स्थिति बनी रहती है। छात्राओं ने हास्टल वार्डन रीना ताज के व्यवहार की सराहना करते हुए उन्हें प्रेमपूर्ण और मित्रवत बताया।

विभागों की योजनाओं पर हुई चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश

राजधानी में आदर्श गोशाला स्थापित करने के कार्य को शीघ्र पूर्ण करें

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि ग्वालियर, इंदौर और उज्जैन में बड़ी आदर्श गौशालाओं के संचालन में सफलता मिली है। इसी तरह भोपाल में इस मॉडल पर आदर्श गौ-शाला स्थापित करने के कार्य को गति प्रदान करते हुए अच्छे परिणाम प्राप्त करने के प्रयास किए जाएं।

डॉ यादव मंत्रालय में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास योजनाओं पर चर्चा कर रहे थे। इन विभागों में नगरीय विकास एवं आवास, खनिज, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग और लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने बैठक में विभागों के अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति और कार्यों की जानकारी प्राप्त की और जरूरी दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय नीरज मंडलोई सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सिंगरौली को आदर्श जिला बनाना प्राथमिकता

सीएम ने कहा कि नगरीय विकास और आवास विभाग द्वारा प्रदेश के नगरों के साथ ही राजधानी भोपाल के विकास में नए आयाम जोड़े जाएं। उन्होंने कहा कि सिंगरौली को आदर्श जिला बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाज के प्रतिष्ठित नागरिकों से भी चर्चा की जाए। नई टाउनशिप विकसित होने से आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होगी और सभी वर्ग लाभान्वित होंगे। खनिज विभाग के अधिकारियों ने सिंगरौली जिले में माइनिंग सेक्टर की नई संभावनाओं और भविष्य में जिले के समग्र विकास की रूपरेखा प्रस्तुत की। बैठक में बताया गया कि सिंगरौली में अधोसंरचना विकास के कार्य हो रहे हैं।

निजी क्षेत्र में आईटी पार्क की स्थापना करें

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से संबंधित चर्चा में मुख्यमंत्री डॉ यादव ने निर्देश दिए कि निजी क्षेत्र में भी आईटी पार्क स्थापना को प्रोत्साहित किया जाए। जबलपुर के उद्यमी सेमीकंडक्टर क्षेत्र में कार्य के इच्छुक हैं। इस नाते उन्हें मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान किया जाए। इसके अलावा टेक्नीकल यूनिवर्सिटी को एक महत्वपूर्ण कौशल विकास केंद्र की पहचान देने के प्रयास किए जाएं। बैठक में बताया गया कि मध्यप्रदेश जल जीवन मिशन के कार्यों में अग्रणी है। प्रदेश के 83 लाख से अधिक परिवारों को नल से जल मिल रहा है। गत दो वर्ष में इस कार्य में अच्छी सफलता मिली है। प्रदेश की 38 हजार 403 जल प्रदाय संरचनाओं को जियो टैग किया गया है।

वन्यजीव संरक्षण से प्रदेश में वन पर्यटन को मिलेगी नई दिशा और गतिः डॉ यादव

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश में चीतों के सफल पुनर्स्थापन के लिए किए जा रहे सामूहिक प्रयासों की सराहना की गई है। यह सराहना हम सभी को नई ऊर्जा और उत्साह प्रदान करने वाली है। डॉ यादव ने प्रदेशवासियों और वन संरक्षण से जुड़े सभी मैदानी साथियों को एक अक्टूबर से प्रारंभ हुए वन्यजीव सप्ताह-2026 की बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने गुरूवार को कहा कि मध्यप्रदेश के लिए यह गौरव का विषय है कि 'प्रोजेक्ट चीता' की सफलता ने वन्यजीव संरक्षण के हमारे संकल्प को और भी मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर वन्यजीवों के सुरक्षित आवास और प्रकृति के संतुलन के संरक्षण में अपना योगदान दें। इससे वन्यजीव संरक्षण के साथ ही प्रदेश में वन पर्यटन को भी नई दिशा और गति मिलेगी।



केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटील से मिले मुख्यमंत्री।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री पाटिल से की भेंट

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने गुरूवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटील से भेंट कर मध्यप्रदेश में जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन और योजनाओं के कार्यों में तेजी लाने से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर नल से जल पहुंचाने के लक्ष्य को गति देने के लिए केन्द्र सरकार से आवश्यक सहयोग और लंबित विषयों के शीघ्र निराकरण का अनुरोध किया। उन्होंने जल जीवन मिशन के लिए केन्द्रांश जारी करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने 100 करोड़ रुपए से अधिक लागत वाली योजनाओं के लिए केन्द्रांश की राशि की प्रतिपूर्ति के लिए पोर्टल पर विकल्प प्रारंभ करने का विषय भी रखा।

कलयुग के 'भगवान' पर मासूम को प्रताड़ित करने के आरोप

पीठ पर चोटों के निशान दिखाकर रोती रही बच्ची

मोहल्ले वालों ने बचाई जान

शहडोल। डॉक्टर को समाज में अक्सर 'धरती का भगवान' कहा जाता है, लेकिन शहडोल की आशीर्वाद कॉलोनी में सामने आया घटनाक्रम इस सम्मानित पेशे पर ही सवाल खड़े कर रहा है। जिला चिकित्सालय में पदस्थ डॉक्टर बी.आर.प्रजापति और उनकी पत्नी शांति प्रजापति पर महज 7-8 साल की मासूम को घर में कथित रूप से बंधक बनाकर रखने, घरेलू काम कराने और मारपीट करने के गंभीर आरोप लगे हैं। बच्ची मौका पाकर भागी तो मोहल्ले वालों ने उसे पनाह दी। बच्ची को जबरन वापस ले जाने का प्रयास हुआ तो लोगों ने पुलिस बुलाकर उसकी जान बचाई।





मासूम को घर में रखकर कराती थी घरेलू काम

गर्म चिमटे से पीठ-गर्दन जलाने का आरोप शांति उर्फ गुड़िया पर एफआईआर

शहडोल।

आशीर्वाद कॉलोनी में आठ वर्षीय बालिका से कथित मारपीट और घरेलू काम कराने के मामले में कोतवाली पुलिस ने अब प्राथमिकी दर्ज कर ली है। जांच में बालिका के बयानों, परिजनों के कथनों और मेडिकल परीक्षण के आधार पर शांति उर्फ गुडिया प्रजापति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 115(2), 118(1), किशोर न्याय अधिनियम की धारा 75 और बाल श्रम अधिनियम की धारा 14(1) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

चार महीने पहले 'पढ़ाई-परवरिश' के नाम पर लाई गई थी बच्ची

मामला 30 सितंबर की शाम सामने आया था, जब आठ वर्षीय लक्ष्मी कुशवाहा निवासी खाईपार बांदा, उत्तर प्रदेश, कथित प्रताडऩा से डरकर शहडोल के पांडवनगर स्थित घर से निकलकर पड़ोसी यशोवर्धन सिंह के घर पहुंची थी। बच्ची ने वहां अपने साथ मारपीट किए जाने की जानकारी दी, जिसके बाद डायल-112 के माध्यम से पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस बच्ची को कोतवाली लेकर आई और उसके संरक्षण की व्यवस्था की। पुलिस की जांच के अनुसार लक्ष्मी अपने माता-पिता की सात संतानों में से एक है। उसके माता-पिता का निधन हो चुका है और वह अपनी बड़ी बहन प्रीति कुशवाहा के साथ बांदा में रह रही थी। करीब चार महीने पहले शांति उर्फ गुडिया प्रजापति, जो प्रीति कुशवाहा की रिश्ते में बुआ सास बताई गई है, ने बच्ची को अपने घर भेजने के लिए कहा था। उसने कथित तौर पर बच्ची की पढ़ाई और परवरिश करने तथा अपनी बच्ची के साथ खेलने के लिए उसे रखने की बात कही थी। इसके बाद बच्ची को शहडोल लाया गया और शांति प्रजापति के सुपुर्द किया गया।

कुछ दिन बाद घरेलू काम कराने का आरोप

एफआईआर में दर्ज पुलिस जांच के अनुसार शुरुआत में बच्ची के साथ ठीक व्यवहार किया गया, लेकिन कुछ दिन बाद उससे घरेलू काम कराया जाने लगा। बच्ची से घर में पोछा लगाने, बर्तन धोने सहित अन्य काम कराए जाने की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक बच्ची ने बताया कि काम करते-करते थक जाने पर भी उससे काम कराया जाता था और काम नहीं करने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी। बच्ची ने पुलिस को यह भी बताया कि शांति उर्फ गुडिया उसे धमकी देती थी कि यदि उसने किसी को कुछ बताया तो उसे चिमटे से जलाया जाएगा। एफआईआर में दर्ज बालिका के कथन के अनुसार करीब एक माह पहले गर्म चिमटे से उसकी पीठ और गर्दन में चोट पहुंचाई गई थी। डर के कारण उसने इस घटना की जानकारी किसी को नहीं दी।

पति की गैरमौजूदगी में फिर मारपीट का प्रयास

30 सितंबर की शाम करीब 5 से 6 बजे शांति के पति डॉक्टर बीआर प्रजापति घर पर नहीं थे। इसी दौरान बालिका के अनुसार शांति उर्फ गुडिया ने उसे दोबारा मारपीट करने के लिए दौड़ाया। डरकर बच्ची घर से भागी और पड़ोसी यशोवर्धन सिंह के घर पहुंच गई। उसने वहां शांति द्वारा मारपीट और प्रताड़ित किए जाने की बात बताई। यशोवर्धन सिंह ने डायल-112 पर सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिसकर्मी बच्ची को कोतवाली थाना लेकर आए। पूछताछ में बच्ची ने बताया कि वह शांति के घर रहकर घरेलू काम करती थी और मारपीट व डराए जाने के कारण अब वहां वापस नहीं जाना चाहती। पुलिस ने उसके बताए अनुसार उसकी बड़ी बहन प्रीति कुशवाहा से संपर्क किया।

बहन और अन्य परिजनों ने भी पुलिस को दिए बयान

पुलिस के मुताबिक प्रीति कुशवाहा ने अपने बयान में बच्ची द्वारा बताई गई घटनाओं की पुष्टि की। घटना की सूचना मिलने पर प्रीति अपने पति शिवा प्रजापति और सास टन्टी प्रजापति के साथ शहडोल पहुंची और बच्ची से बातचीत की। परिजनों के बयानों को भी पुलिस ने जांच में शामिल किया है। पुलिस ने बालिका का जिला अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया। मेडिकल रिपोर्ट में चोट के निशान पाए जाने और चोट को साधारण प्रकृति का बताया गया है। रिपोर्ट में चोट की प्रकृति के संबंध में सर्जिकल विशेषज्ञ से राय लेने का भी उल्लेख किया गया है।

बालिका को बाल शिशु गृह में रखा गया

पुलिस ने बालिका के तत्काल संरक्षण को देखते हुए उसे शासकीय संरक्षण में लिया। इसके बाद अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति शहडोल को पत्र भेजकर बालिका को आश्रय के लिए बाल शिशु गृह में दाखिल कराया गया। अब बाल कल्याण समिति द्वारा बालिका की काउंसलिंग की जाएगी और समिति की रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने जांच के बाद दर्ज की एफआईआर

कोतवाली पुलिस ने 30 सितंबर की घटना से संबंधित रोजनामचा रिपोर्ट और जांच के आधार पर एफआईआर दर्ज की। एफआईआर में शांति उर्फ गुडिया प्रजापति पति डॉ. बी.आर.प्रजापति, निवासी वार्ड नंबर 07 पांडवनगर, शहडोल के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2) और 118(1), किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम की धारा 75 तथा बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम की धारा 14(1) के तहत अपराध दर्ज किया गया है। मामले की विवेचना सहायक उप निरीक्षक संतोष सिंह को सौंपी गई है। पुलिस की जांच अब इस बिंदु पर भी केंद्रित है कि बच्ची को किन परिस्थितियों में बांदा से शहडोल लाया गया, उसकी देखरेख की वास्तविक व्यवस्था क्या थी और उसके साथ कितने समय से कथित रूप से मारपीट एवं घरेलू काम कराया जा रहा था। एफआईआर में दर्ज आरोपों की पुष्टि विवेचना, मेडिकल एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर होगी।

नीलगिरी का अवैध कटान कर रहे अंतरजिला गिरोह का पर्दाफाश

तीन आरोपी मौके से रंगे हाथों गिरफ्तार

शहडोल। दक्षिण शहडोल वनमंडल अंतर्गत शहडोल वन परिक्षेत्र की टीम ने नीलगिरी की लकडिय़ों की अवैध कटाई और तस्करी करने वाले एक गिरोह को दबोचने में सफलता हासिल की है। वन विभाग के अधिकारियों ने बीती रात घेराबंदी कर एक पिकअप वाहन सहित नीलगिरी के 40 ल_ और तीन आरा मशीनें जब्त की हैं।

वन संरक्षक वन वृत्त शहडोल महेंद्र प्रताप सिंह, वनमंडलाधिकारी दक्षिण शहडोल सुश्री श्रद्धा पंद्रे एवं उप वनमंडलाधिकारी सोहागपुर संतोष कुमार शुक्ला के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। 1 अक्टूबर की मध्यरात्रि लगभग 02 बजे वन विभाग को सूचना मिली थी कि सिंहपुर वृत्त के जोधपुर बीट अंतर्गत कक्ष क्रमांक 790 से कुछ लोग बड़े पैमाने पर नीलगिरी के पेड़ों की अवैध कटाई कर रहे हैं। सूचना मिलते ही शहडोल वन परिक्षेत्र के कर्मचारियों एवं रात्रि गश्ती दल ने तुरंत मौके पर पहुंचकर पूरे जंगल क्षेत्र की घेराबंदी कर दी।

वन विभाग की टीम जब मौके पर पहुंची तो देखा कि जंगल के अंदर कुछ लोग नीलगिरी के पेड़ों को काटकर एक मालवाहक गाड़ी में



लाद रहे थे। सतर्क वन अमले ने तुरंत कार्रवाई करते हुए तीनों व्यक्तियों को मौके पर ही धर दबोचा। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों ने अपनी पहचान अनूपपुर जिले के केल्हारी निवासी आर्सल चौरसिया पिता उमेश चौरसिया, गंगाराम चौरसिया पिता प्रेमलाल चौरसिया तथा अनुज चौरसिया पिता शोभनाथ चौरसिया के रूप में दी। जब अधिकारियों ने लकड़ी काटने और परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे, तो आरोपी कोई भी कागजात पेश नहीं कर सके।

वन अमले ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए मौके से नीलगिरी के 40 नग ल_, लकड़ी काटने में इस्तेमाल की जा रही 3 आरा मशीनें तथा मालवाहक गाड़ी जब्त कर ली। जब्त किए गए वाहन, उपकरण और लकड़ी को सुरक्षा के लिहाज से नरसरहा काष्ठागार डिपो में रखवा दिया गया है। आरोपियों के खिलाफ वन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। अवैध कटाई पर इस बड़ी कार्रवाई में शहडोल वन परिक्षेत्राधिकारी विनायक कुमार गौतम, वनक्षेत्रपाल राजेश श्रीवास्तव, सिंहपुर परिक्षेत्र सहायक (कार्यवाहक वनपाल) राकेश द्विवेदी, अंतरा बीट प्रभारी अविनाश सिंह और जोधपुर बीट गार्ड रामकिशोर बैगा सहित अन्य वन कर्मियों की विशेष भूमिका रही। वन विभाग की इस अचानक हुई सख्त कार्रवाई से क्षेत्र के लकड़ी तस्करों में हडक़ंप मच गया है।

यूजीसी के विरोध में सवर्ण नेताओं की अर्थी निकालकर किया अंतिम संस्कार, 13वें दिन हुआ ब्राह्मण भोज



रीवा। यूजीसी के एक प्रस्तावित कानून के विरोध में रीवा में आंदोलनकारियों ने विरोध का अनोखा तरीका अपनाया। सवर्ण समाज से जुड़े नेताओं और जनप्रतिनिधियों की कथित चुप्पी के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने प्रतीकात्मक रूप से उनकी अर्थी निकाली और अंतिम संस्कार की रस्में निभाईं। अब इसी क्रम में शुक्रवार को आंदोलन के 13वें दिन कोठी कंपाउंड में शंकर मंदिर परिसर में तेरहवीं का आयोजन किया गया। इस दौरान ब्राह्मण भोज भी कराया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जिस कानून को वे अपने हितों के खिलाफ मान रहे हैं, उसके विरोध में सवर्ण समाज के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और नेताओं से मुखर होकर आवाज उठाने की अपेक्षा थी। उनका आरोप है कि समाज के मुद्दे पर इन नेताओं की ओर से अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिलने के कारण उन्होंने प्रतीकात्मक विरोध के रूप में नेताओं को 'मृत' मानकर उनके अंतिम संस्कार और तेरहवीं की रस्में पूरी कीं। आंदोलन की शुरुआत करीब 12 दिन पहले रीवा के विवेकानंद पार्क से हुई थी। प्रदर्शनकारियों ने यूजीसी के प्रस्तावित प्रावधानों के खिलाफ विरोध दर्ज कराया था। इसी दौरान सवर्ण समाज से जुड़े नेताओं और जनप्रतिनिधियों के रवैये पर भी नाराजगी जताई गई। आंदोलनकारियों ने इसके बाद प्रतीकात्मक अर्थी तैयार की। मंत्रोच्चार के बीच अर्थी की शवयात्रा निकाली गई और उसे छोटी पुल के नीचे ले जाया गया। यहां हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के बाद प्रतीकात्मक रूप से अस्थियां एकत्र की गईं और उन्हें प्रयागराज ले जाकर विसर्जित किया गया। आंदोलनकारियों के मुताबिक इसके जरिए उन्होंने यह संदेश देने का प्रयास किया कि समाज के मुद्दों पर आवाज नहीं उठाने वाले नेताओं को वे अपना प्रतिनिधि नहीं मानते। इसी विरोध की अगली कड़ी में शुक्रवार को रीवा के प्रसिद्ध शंकर मंदिर में तेरहवीं का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां नेताओं की प्रतीकात्मक 'तेरहवीं' की रस्म पूरी की गई और ब्राह्मण भोज कराया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय ब्राम्हण सामाज के प्रदेश सचिव सतीश चौबे, जिलाध्यक्ष आशीष तिवारी, प्राशू तिवारी, अनुराग मिश्रा, रोहित मिश्रा सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए।

नेता प्रतिपक्ष की सहजता से बालाघाट में चर्चा जोरों पर

काफिला रोककर राहुल गांधी ने स्वीकार किया गुलाब

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बालाघाट जिले के आदिवासी क्षेत्र बैहर विधानसभा दौरे के दौरान उनकी सहजता और आम लोगों के प्रति आत्मीयता का एक भावुक कर देने वाला दृश्य सामने आया।



आदिवासी परिवारों से मुलाकात और कार्यक्रमों के बाद जब राहुल गांधी बालाघाट होते हुए वापसी के लिए जा रहे थे, तभी खुरसोडी गांव के समीप 42 वर्षीय बालाघाट की बेटी रश्मि तांडी की इच्छा हुई कि वह राहुल गांधी से मिलकर उन्हें गुलाब का फूल भेंट करे। रश्मि ने अपनी यह इच्छा असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष जय कृष्णा डिगरू से साझा की। जय कृष्णा डिगरू ने बताया कि यह राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, लेकिन यदि रश्मि की इच्छा है तो वह सड़क किनारे हमारे साथ खड़े होकर प्रयास कर सकती है। इसके बाद रश्मि पूरे आत्मविश्वास के साथ सड़क किनारे हाथ में गुलाब का फूल लेकर खड़ी हो गई। राहुल गांधी के काफिले के गुजरने के दौरान वह "राहुल गांधी जिंदाबाद" और "भारत माता की जय" के नारे लगाती रही। इसी दौरान राहुल गांधी की नजर सड़क किनारे खड़ी रश्मि पर पड़ी। उन्होंने अपनी गाड़ी रुकवाई और रश्मि से मुलाकात की। रश्मि ने उन्हें गुलाब का फूल भेंट किया और राहुल गांधी ने भी सहजता से उसका अभिवादन स्वीकार करते हुए उससे हाथ मिलाया। महज कुछ क्षणों की यह मुलाकात रश्मि के लिए जिंदगी भर याद रहने वाला पल बन गई। जिस नेता से मिलने की इच्छा उसने मन में संजोई थी, उसी नेता ने उसके लिए अपना काफिला रुकवाकर उसे मिलने का अवसर दिया। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि बड़े राजनीतिक पद पर होने के बावजूद आम लोगों से सहजता और आत्मीयता से मिलना किसी भी जनप्रतिनिधि के व्यक्तित्व की महत्वपूर्ण पहचान हो सकती है। रश्मि के लिए वह गुलाब केवल एक फूल नहीं, बल्कि उसके जीवन की एक यादगार मुलाकात बन गया।

रामबाग में ज्वेलर्स की दुकान में सेंधमारी लाखों के जेवरात-नकदी ले गए चोर

रीवा। जिले के पनवार थाना क्षेत्र के रामबाग चौराहे में चोरों ने ज्वेलर्स की दुकान को निशाना बनाकर सोने-चांदी के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। बदमाशों ने दुकान की पीछे की दीवार में सेंध लगाकर अंदर प्रवेश किया और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए। चोरी की जानकारी शुक्रवार सुबह दुकान खुलने के बाद हुई। घटना सामने आते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार रामबाग निवासी सुभाष कुशवाहा रामबाग चौराहे में अलंकार ज्वेलर्स नाम से आभूषण की दुकान संचालित करते हैं। बताया गया कि 30 सितंबर की रात अज्ञात बदमाश दुकान के पीछे पहुंचे और दीवार तोड़कर भीतर



दाखिल हो गए। दुकान में प्रवेश करने के बाद चोरों ने वहां रखे सोने-चांदी के आभूषण और नकदी को समेटा तथा उसी रास्ते से बाहर निकलकर फरार हो गए। गुरुवार सुबह जब दुकानदार दुकान खोलने पहुंचा तो अंदर का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। दुकान की स्थिति देखकर उसे किसी अनहोनी की आशंका हुई। जांच करने पर पीछे की दीवार में सेंधमारी के निशान मिले। इसके बाद चोरी की पुष्टि हुई। दुकानदार ने तत्काल पनवार पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जुटाए साक्ष्य

सूचना मिलते ही पनवार थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने दुकान का निरीक्षण कर सेंधमारी के तरीके और बदमाशों के प्रवेश व बाहर निकलने वाले रास्ते की जानकारी जुटाई। इसके साथ ही दुकानदार से चोरी गए जेवरात और नकदी के संबंध में पूछताछ की गई। पुलिस अब दुकान में मौजूद सामान के मिलान के साथ चोरी गए आभूषणों की वास्तविक कीमत का आकलन करने में जुटी है।

सास को पीटकर गया था जेल, बाहर आते ही पत्नी का कत्ल!

पुश्तैनी जमीन का विवाद बना हत्या की वजह

अमलतास कॉलोनी में डेढ़ माह में दूसरी नृशंस हत्या, पति और साथी यूपी से गिरफ्तार, 2 मासूम बेसहारा

छतरपुर।

शहर की अमलतास कॉलोनी में शुक्रवार को दिनदहाड़े 26 वर्षीय ज्योति चौरसिया की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। वारदात के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मृतका के पति लखन जोशी और उसके साथी को करीब पांच घंटे में उत्तर प्रदेश के ग्राम ननौरा से गिरफ्तार कर लिया।



जानकारी के अनुसार, महाराजपुर निवासी ज्योति ने करीब आठ साल पहले लखन जोशी से प्रेम विवाह किया था। दोनों के बीच पुश्तैनी कृषि भूमि को लेकर विवाद चल रहा था। आरोप है कि कुछ महीने पहले लखन ने अपनी सास के साथ मारपीट की थी, जिसके मामले में उसे जेल भेजा गया था। वह दो दिन पहले ही जेल से बाहर आया था। शुक्रवार सुबह ज्योति बाजार गई थी। लौटते समय घर के पास बाइक सवार दो लोगों ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल ज्योति की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय उसके दोनों बच्चे घर में सो रहे थे। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा साक्ष्य जुटाए।

पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपियों का पता लगाया और उन्हें उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच में जमीन का विवाद हत्या की वजह माना जा रहा है। पुलिस वारदात में इस्तेमाल हथियार, बाइक और अन्य संभावित साक्ष्यों की जांच कर रही है।

2 मासूमों पर टूटा दुखों का पहाड़

इस वारदात ने 2 छोटे बच्चों की जिंदगी को मुश्किलों में डाल दिया है। मां की हत्या हो गई और पिता हत्या के मामले में गिरफ्तार है। दोनों मासूमों के सामने अब परवरिश और भविष्य का संकट खड़ा हो गया है। अमलतास कॉलोनी में डेढ़ माह के भीतर दूसरी हत्या से क्षेत्र के लोगों में भी चिंता का माहौल है।

नैनपुर में भूमिहीन परिवारों को मिलेंगे 223 भूखंड

मण्डला। नैनपुर नगरीय क्षेत्र में लंबे समय से भूखंड की प्रतीक्षा कर रहे भूमिहीन पात्र परिवारों के लिए राहत की खबर है। कलेक्टर मंडला श्री राहुल नामदेव धोटे के निर्देशों के परिपालन में नगर पालिका नैनपुर द्वारा भूमिहीन व्यक्तियों को भूखंड उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस कार्यवाही पूर्ण की गई है। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत 11 सितंबर 2026 को आयोजित शिविर में कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे द्वारा दिए गए निर्देशों के बाद एसडीएम श्री आशुतोष ठाकुर के मार्गदर्शन में नगर पालिका नैनपुर ने न्यायालय कलेक्टर मंडला द्वारा नगर पालिका को आवंटित भूमि खसरा क्रमांक 43, इटका नैनपुर, रकबा 4.014 हेक्टेयर पर पात्र हितग्राहियों को भूखंड उपलब्ध कराने के लिए कार्ययोजना एवं लेआउट प्लान तैयार किया है। तैयार लेआउट प्लान में लगभग 450 वर्गफुट से 700 वर्गफुट क्षेत्रफल के 223 भूखंड प्रस्तावित किए गए हैं। इन भूखंडों पर सड़क, नाली, पाइपलाइन, विद्युत सहित आवश्यक मूलभूत सुविधाओं को समाहित किया गया है।

क्या आपने कभी सोचा है कि जिस धरती पर हम सांस ले रहे हैं, वह हमेशा ऐसी ही रहेगी? विज्ञान कहता है- नहीं। सुपरकंप्यूटर की एक डरावनी भविष्यवाणी के मुताबिक, एक दिन हमारी धरती से ऑक्सीजन पूरी तरह गायब हो जाएगी। इंसानों और जीव-जंतुओं का वजूद पूरी तरह खत्म होना तय है।

सुपरकंप्यूटर ने दिखाई पृथ्वी के भविष्य की डरावनी तस्वीर

लंदन। साल 2021 में वैज्ञानिक काजुमी ओजाकी और क्रिस्टोफर टी. रेनहार्ड ने सुपरकंप्यूटर की मदद से धरती के भविष्य का एक मॉडल तैयार किया था। इस रिसर्च के मुताबिक, हमारी सांसों में बसने वाली ऑक्सीजन सिर्फ अगले 108 करोड़ साल तक ही टिक पाएगी। इसके बाद धरती का माहौल ऐसा हो जाएगा कि यहां किसी भी जटिल जीव का जिंदा रहना नामुमकिन होगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि जैसे-जैसे सूरज की गर्मी और रोशनी बढ़ेगी, धरती का पूरा क्लाइमेट और कार्बन चक्र बिगड़ जाएगा। नतीजा यह होगा कि पहले पेड़-पौधों के लिए जरूरी कार्बन डाइऑक्साइड कम होगी, जिससे वे दम तोड़ देंगे। पेड़ नहीं होंगे, तो ऑक्सीजन बनना बंद हो जाएगी। पूरी धरती वापस उसी प्राचीन दौर में लौट जाएगी, जब यहां सिर्फ छोटे बैक्टीरिया हुआ करते थे। चौंकाने वाली बात यह है कि समुद्र का पानी सूखने से बहुत पहले ही हमारी ऑक्सीजन खत्म हो जाएगी।

पहले ऑक्सीजन खत्म होगी, फिर धरती होगी बंजर

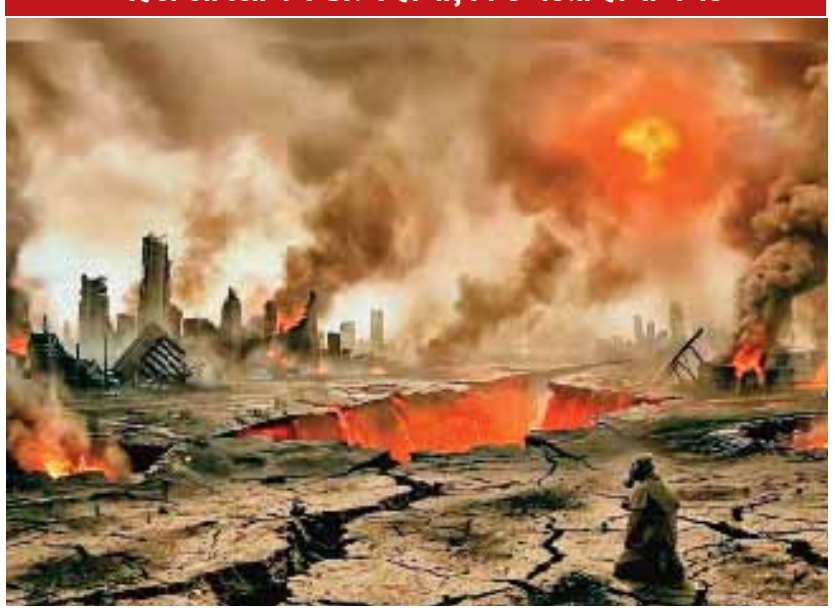

क्या है असली सबक?

इस वैज्ञानिक चेतावनी का सीधा सा मतलब यह है कि किसी ग्रह पर जीवन होने का मतलब यह नहीं कि वहां हमेशा ऑक्सीजन रहेगी ही। ब्रह्मांड में जीवन की खोज कर रहे वैज्ञानिकों को अब ऑक्सीजन के अलावा दूसरे संकेतों पर भी ध्यान देना होगा। धरती का अंत तय है, बस देखना यह है कि पहले ऑक्सीजन साथ छोड़ती है या सूरज की तपिश।



जब सुलग उठेगी धरती

कहानी यहीं खत्म नहीं होती। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल की एक दूसरी रिसर्च बताती है कि ऑक्सीजन खत्म होने से बहुत पहले ही एक और बड़ी आफत आ सकती है। कंप्यूटर मॉडलिंग के अनुसार, करोड़ों साल बाद धरती के सारे महाद्वीप आपस में जुड़कर एक विशालकाय सुपरकॉन्टिनेंट बना लेंगे, जिसे 'पैंजिया अल्टिमा' नाम दिया गया है। जब यह महाद्वीप बनेगा, तो ज्वालामुखी फटने की घटनाएं आम हो जाएंगी। चारों तरफ सिर्फ उमस और खौफनाक गर्मी होगी। तापमान 40 से 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा और कुछ इलाकों में तो यह रिकॉर्ड तोड़ देगा। इंसानों और स्तनधारी जीवों के लिए इस झुलसाने वाली गर्मी में खुद को ठंडा रख पाना और भोजन-पानी जुटाना नामुमकिन हो जाएगा।

रोचक खबरें

नर से मादा बन जाते हैं ये जीव! आखिर क्यों बदलते हैं अपना जेंडर



सिर्फ क्लाउनफिश ही नहीं, कई जीवों में होती है ऐसी प्रक्रिया

लिंग परिवर्तन केवल क्लाउनफिश तक सीमित नहीं है। कुछ समुद्री मछलियां और अन्य जीव भी अपने जीवन में लिंग बदल सकते हैं।कई प्रजातियों में यह बदलाव सामाजिक स्थिति, साथी की उपलब्धता, उम्र या समूह की संरचना से जुड़ा होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, अलग-अलग प्रजातियों में लिंग परिवर्तन का तरीका और कारण एक जैसा नहीं होता. कुछ जीव नर से मादा बनते हैं, जबकि कुछ मादा से नर में बदलते हैं।

नई दिल्ली। प्रकृति अपने अंदर ऐसे कई रहस्य छिपाए हुए है, जिन्हें जानकर इंसान भी हैरान रह जाता है। दुनिया में कुछ ऐसे जीव पाए जाते हैं, जो अपनी जिंदगी के दौरान नर से मादा या मादा से नर में बदल सकते हैं।सुनने में यह भले ही अजीब लगे, लेकिन समुद्री जीवों की दुनिया में यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। इसका मुख्य कारण बदलते पर्यावरण के अनुसार खुद को ढालना होता है। कुछ जीवों में लिंग परिवर्तन उनके जीवन चक्र का सामान्य हिस्सा होता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में अनुक्रमिक उभयलिंगीता कहा जाता है। यानी कोई जीव अपनी जिंदगी की शुरुआत एक लिंग के रूप में कर सकता है और बाद में परिस्थितियों के अनुसार दूसरे लिंग में बदल सकता है। यह बदलाव अचानक नहीं होता, बल्कि शरीर में होने वाले हार्मोनल और जैविक परिवर्तनों के जरिए धीरे-धीरे पूरा होता है। क्लाउनफिश इस प्रक्रिया का सबसे चर्चित उदाहरण है। इनके समूह में आमतौर पर एक प्रमुख मादा और उसके साथ कई नर रहते हैं।यदि समूह की प्रमुख मादा मर जाती है, तो सबसे बड़ा नर मादा में बदल सकता है। इसके बाद समूह का अगला बड़ा नर प्रजनन करने वाला नर बन जाता है। इस तरह समूह में प्रजनन की व्यवस्था बनी रहती है और किसी नए जीव के आने का इंतजार नहीं करना पड़ता।

शिकागो में मिला डायनासोर से भी पुराना जीव, दो स्टूडेंट साइंटिस्ट्स ने उसे दिया अपनी मां का नाम



न्यूयार्क। शिकागो के फील्ड म्यूजियम में इंटर्न के तौर पर काम करने वाली दो छात्राओं ने एक ऐसे नए जीव की खोज की है, जो धरती पर डायनासोर के आने से भी बहुत पहले मौजूद थे। करीब 40 करोड़ साल पुराने इस जीव को दोनों छात्राओं ने अपनी मां का नाम दिया है। देखने में यह जीव आज के मेंढक और छिपकली जैसा है, बस साइज में थोड़ा गोल-मटोल है। साइंटिस्ट इसे इन्हीं का पूर्वज कह रहे हैं। विज्ञान की भाषा में इसे जीनरपेटॉन माजोनेंसिस नाम दिया गया है। साइंटिस्ट का कहना है कि ये दलदल की मिट्टी में बहुत तेजी से दबा था, इसीलिए 40 करोड़ साल बाद भी इस जीवाश्म में जीव की पीठ के शल्क, पेट की छोटी पसलियां और यहां तक की आंखों के निशान भी बिल्कुल साफ आ रहे हैं। फील्ड म्यूजियम की रिपोर्ट के मुताबिक, इस जीव को कई साल पहले एक शख्स ने इलिनोइस की माजोन क्रीक नाम की जगह से ढूंढकर म्यूजियम को दान कर दिया था। उस वक्त साइंटिस्ट्स ने इसकी गहराई से जांच नहीं की थी और इसे एक आम जीव समझकर डिब्बे में बंद कर दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, सालों पुरानी इस भूल को पेटन कोहलबर्ग और एलिसन सेफकोविच नाम की दो स्टूडेंट साइंटिस्ट्स ने सुधारा। जब इन दोनों ने जीवाश्म की बारीकी से जांच की, तो पता चला कि यह कोई आम जीव नहीं, बल्कि बिल्कुल ही एक नई प्रजाति है। जब इस नई प्रजाति का नाम रखने की बारी आई, तो दोनों ने अपनी-अपनी मां को सम्मान देने का फैसला किया। इत्तेफाक से दोनों की मां का नाम 'जीन' है।

मिसाल

भव्यता देख झूम उठेगा मन

20 बीघा में घर, 100 खिड़की-दरवाजे ऐसे रहता है किसान का संयुक्त परिवार

नई दिल्ली। पश्चिम यूपी की पहचान किसान बेल्ट के रूप में होती है। पश्चिमी यूपी में आज भी संयुक्त परिवार का भी चलन हैं। यहां किसानों के एक से बढ़कर एक भव्य मकान हैं। ऐसा ही एक मकान बुढ़ाना तहसील के पास शाहडब्बर गांव में है। यह मकान एक चौधरी परिवार फूल सिंह का है जो कि 20 बीघे में बना हुआ है। मकान शाहपुरा ब्लॉक रोड पर है। पूरे इलाके में ऐसा घर ढूंढने से भी नहीं मिलता। किसान परिवार का यह घर किसी महल से कम नहीं है। चार भाइयों के परिवार में 60 सदस्य हैं। 35 सदस्य गांव में रहते हैं। परिवार के कई सदस्य सरकारी नौकरी में भी हैं। 650 बीघा जमीन है। घर में 5-6 ट्रैक्टर और इतनी ही लग्जरी कार हैं। मुजफ्फरनगर जिले की बुढ़ाना तहसील के गांव शाहडब्बर से शाहपुर जाते समय लोगों की नजर अक्सर एक मकान पर ठहरती है।



अभी भी नहीं हुआ है जमीन का बंटवारा

पूरे परिवार में 80 से ज्यादा गाय-भैंसे हैं। नागौरी बैल भी हैं। दो घोड़ी भी हैं। चारों भाइयों के घर अलग-अलग जरूर हैं, लेकिन जमीन का बंटवारा नहीं हुआ है। हर घर में दो-तीन ट्रैक्टर हैं। परिवार के पास करीब 6-7 ट्रैक्टर हैं और इतनी ही लग्जरी कारें हैं। हर घर में सब्जी उगाई जाती है। यह किसान परिवार गन्ने की खेती के लिए जाना जाता है। इस परिवार की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके सदस्य नशा-शराब से दूर हैं। पूरे परिवार का खाना कभी एक ही चूल्हे पर बनता था। अब घर अलग-अलग हो गए हैं, लेकिन तीज-त्योहार साथ में बनाते हैं। जमीन का बंटवारा अभी भी नहीं हुआ है। परिवार में मेल-जोल बहुत ज्यादा है। भाई-भाई में प्यार है। गांव में पहला ट्रैक्टर इसी घर में आया था। पहले ऊंट भी इस घर में था। परिवार का एक ही मूल मंत्र है, अपने काम पर ध्यान देना। जो सदस्य खेती-बाड़ी कर रहे हैं, वो खेती करते हैं, कुछ पढ़ाई तो कुछ बिजनेस कर रहे हैं।

पूरे परिवार में 60 सदस्य

मकान सड़क किनारे बना हुआ है। यह मकान करीब 20 बीघा में फैला हुआ है। मकान स्वर्गीय फूल सिंह चौधरी का है जिनके पास 200 बीघा जमीन थी। उनके चार बेटों ने अपनी मेहनत के बल पर करीब 450 बीघा जमीन खरीदी है। चार भाइयों के 12 बेटे हुए। पूरे परिवार में 60 सदस्य हैं, 35 गांव में रहते हैं। हर भाई का मकान करीब 5 बीघा में बना हुआ है। हर मकान की डिजाइन एक जैसी है।



घर में गिर गाय और मुर्रा भैंस भी

घर में गिर गाय भी है। 18 किलो दूध देने वाली मुर्रा भैंस भी हैं। इस परिवार के पास कभी ऊंट-घोड़ा भी था। परिवार की समृद्धि का सबसे बड़ा राज एकजुटता है। पूर्वजों ने एकजुट रहने की सलाह दी, जिसका पालन आज भी यह चौधरी परिवार कर रहा है। घर पर ही पूरा परिवार सब्जी उगाता है। कभी भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह इस घर में आते थे। घर में 60 से ज्यादा कमरे हैं।

इराक में है दुनिया का सबसे पुराना पुल, 4000 साल पहले का इतिहास



बगदाद। दुनिया की सबसे पहली सड़क और इमारत का जिक्र जब भी होता है, तो हर किसी के मन में यह सवाल जरूर उठता है कि आखिर इंसानों द्वारा बनाया गया सबसे पहला पुल कहां होगा? इस सवाल का जवाब छुपा है मध्य पूर्व के देश इराक के रेगिस्तानी इलाके में। आधुनिक इराक के बगदाद और बसरा शहर के ठीक बीचो-बीच गिरसू नाम का एक प्राचीन शहर बसा हुआ है। लगभग 5,000 साल पुराना यह शहर सुमेरियन सभ्यता की राजधानी हुआ करता था। इसी पौराणिक शहर की पुरातात्विक खुदाई में पकी हुई लाल ईंटों से बना एक ऐसा ढांचा मिला है, जिसे आधुनिक विज्ञान और इतिहासकार दुनिया का सबसे पुराना पुल मानते हैं। इसका इतिहास करीब 4,000 साल पुराना है। इंसानी इंजीनियरिंग की इस अद्भुत मिसाल की कहानी जितनी हैरान करने वाली है, उतनी ही दर्दनाक भी रही है। इस ऐतिहासिक शहर की पहली खुदाई साल 1877 में फ्रांसीसी पुरातत्वविदों की एक टीम ने शुरू की थी।

100 सालों तक बदहाली की हालत में था यह अनमोल पुल

अफसोस की बात यह रही कि 1920 में खोजे जाने के बावजूद इस अनमोल पुल को करीब 100 सालों तक खुले आसमान के नीचे बेदरो-बदली हालत में छोड़ दिया गया। आज आधुनिक दौर में इस प्राचीन गिरसू शहर को अरबी भाषा में तिल्लो कहा जाता है। लंबे अरसे से लावारिस पड़े इस 4,000 साल पुराने पुल को बचाने के लिए कुछ साल पहले बड़ी वैश्विक पहल शुरू हुई। ब्रिटिश म्यूजियम, यूके सरकार की आर्थिक मदद से इस ऐतिहासिक जगह को बचाने का काम कर रहा है। इस प्रोजेक्ट के तहत इराकी पुरातत्वविदों को सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने और ऐतिहासिक इमारतों को नया जीवन देने की स्पेशल ट्रेनिंग दी जा रही है।

लद्दाखी बालान गाय का छाछ है सबसे महंगा, बिकता है घी के भाव

नई दिल्ली। यूपी-राजस्थान-हरियाणा, एमपी-बिहार और गुजरात में किसान साहीवाल, गिर और राठी जैसे कई दुधारू नस्ल की गाय पालते हैं। देश के बाकी राज्यों की तरह लद्दाख में 'लद्दाखी बालान' को लोग पालते हैं। यह गाय की स्थानीय नस्ल है। यह गाय माइनस 20 डिग्री तक सर्वाइव करती है। इसका घी 2500 रुपये प्रति किलो तक बिकता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस गाय के छाछ से एक ऐसी चीज बनाई जाती है जो 1200 से 1500 रुपए प्रति किलो बिकती है। इस पनीर को दुनिया का सबसे हार्ड पनीर माना जाता है। लद्दाख में गाय पालना आसान नहीं है। करीब 17 हजार फीट की ऊंचाई-बर्फबारी, कम ऑक्सीजन और खराब मौसम लेकिन प्रकृति के बीच यहां के लोग हिमालयी गाय पालते हैं। इस गाय के दूध से 'छुर्पे' नाम की पनीर बनती है। यह दुनिया की सबसे सख्त पनीर मानी जाती है। इस गाय के दूध से ऐसा दुर्लभ घी बनता है जो ताकत का अनूठा खजाना है। लद्दाख के युवा व्यवसायी लोटस ग्याल्त्सन लद्दाख के खारू में मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट लगाए हुए हैं। घी-बटर बनाते हैं।

बंदर को बेटे की तरह पाला, पूरी संपत्ति कर दी थी नाम



नई दिल्ली। आपने बहुत से बंदरों के बारे में सुना होगा. बंदरों को अक्सर पेड़ों पर उछलते-कूदते या लोगों के आसपास घूमते देखा जाता है। लेकिन, आज हम आपको एक ऐसे बंदर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी जिंदगी किसी आम बंदर से बिल्कुल अलग थी। यूपी के रायबरेली के रहने वाले राजेश श्रीवास्तव हिंदू थे, जबकि शबिस्ता मुस्लिम थीं. दोनों ने धर्म की दीवारें तोड़कर शादी की, लेकिन इसके बाद समाज और उनके अपने परिवारों ने उन्हें अपनाने से इनकार कर दिया। सामाजिक बहिष्कार के चलते यह कपल कई सालों तक अकेलेपन का सामना करता रहा। इसी तन्हाई को दूर करने के लिए साल 2005 में उनकी जिंदगी में 'चुनमुन' की एंट्री हुई।बताया जाता है कि राजेश और शबिस्ता ने चुनमुन को साल 2005 में करीब 500 रुपए में खरीदा था। उसकी मां की बिजली का झटका लगने से मौत हो चुकी थी। मां के बिना वह छोटा बंदर अकेला था। कपल ने उसे अपने पास रख लिया और धीरे-धीरे उससे उनका लगाव बढ़ता चला गया। राजेश और शबिस्ता ने चुनमुन को कभी सिर्फ पालतू जानवर की तरह नहीं देखा। दोनों उसे अपने बेटे की तरह पालने लगे। उसकी हर जरूरत का ख्याल रखा जाता था और घर में उसके लिए अलग इंतजाम किए गए थे।

पूरी संपत्ति की वसीयत तैयार की थी : चुनमुन की जब मौत हो गई, तो महिला ने अपने घर में उसका मंदिर बनवा दिया। मंदिर में राम-लक्ष्मण और सीता के साथ बंदर की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा की गई. इस मौके पर भंडारा भी कराया गया था। इस कहानी का सबसे खास हिस्सा कपल का वह फैसला था, जो उन्होंने अपनी संपत्ति को लेकर लिया। जिन रिश्तेदारों ने मुश्किल वक्त में उनका साथ नहीं दिया, उनसे अलग उन्होंने चुनमुन को अपना सबसे करीबी माना। बताया जाता है कि राजेश और शबिस्ता ने अपनी पूरी संपत्ति चुनमुन के नाम करने की वसीयत तैयार की थी। उनके लिए चुनमुन सिर्फ एक बंदर नहीं था। वह उस समय उनके परिवार का हिस्सा बना, जब दोनों खुद को बेहद अकेला महसूस करते थे।

अनूठी परंपरा खतरनाक मगरमच्छों के साथ पूरी तरह से मेल-मिलाप और सद्भाव से रहते हैं

अनोखा तालाब; सौ से ज्यादा मगरमच्छ फिर भी बेखौफ नहाते हैं लोग

औगाडौगू। दुनियाभर में ऐसी कई अद्भुत और रहस्यमयी जगहें हैं, जो इंसानों और जानवरों के बीच के अनोखे रिश्ते को बयां करती हैं। इनमें से कुछ जगहें हर किसी को हैरान कर देती हैं। ऐसी ही एक जगह अफ्रीकी देश बुरकीना फासो की राजधानी औगाडौगू से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बाजोले गांव है, जो एक विशाल झील के किनारे बसा हुआ है। यहां की परंपरा पूरी दुनिया में बिल्कुल अनूठी है। आपको जानकर ताज्जुब होगा कि इस गांव में पिछले कई पीढ़ियों से स्थानीय निवासी सौ से अधिक खतरनाक मगरमच्छों के साथ पूरी तरह से मेल-मिलाप और सद्भाव के साथ रह रहे हैं। ये लोग मगरमच्छों से भरे तालाब में बेखौफ होकर नहाते हैं, घरेलू काम करते हैं, लेकिन मगरमच्छ इन्हें चोट नहीं पहुंचाते और ना ही शिकार करने की कोशिश करते हैं। बाजोले के ये मगरमच्छ बड़े और अधिक आक्रामक माने जाने वाले नील नदी के मगरमच्छों की फैमिली से हैं। ये अपनी एक अलग प्रजाति से ताल्लुक रखते हैं, जिसे क्रोकोडिलस सूचस कहा जाता है।



बदलते पर्यावरण के साथ खुद को पूरी तरह ढाल लिया

इन्हें पश्चिमी अफ्रीकी मगरमच्छ या मरुस्थलीय मगरमच्छ के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि ये मुख्य रूप से जंगली क्षेत्रों और खुले आवासों में पाए जाते हैं। इन मगरमच्छों या यूं कहें कि उनके पूर्वजों ने उत्तरी अफ्रीका के बदलते पर्यावरण के साथ खुद को पूरी तरह ढाल लिया है। आज से लगभग 10,000 साल पहले जहां हरी-भरी सवाना और घास के मैदान हुआ करते थे, वे आज गर्म और शुष्क सहारा रेगिस्तान में बदल चुके हैं, लेकिन इन जीवों ने हर स्थिति में खुद को जीवित रखा है। नील नदी के मगरमच्छ जहां रहने के लिए बड़ी मौसमी नदियों को पसंद करते हैं, तो पश्चिमी अफ्रीका के मगरमच्छ मुख्य रूप से जंगलों के भीतर स्थित लैगून और आर्द्रभूमि को अधिक पसंद करते हैं।

मगरमच्छों का करते हैं आदर

पश्चिमी अफ्रीकी मगरमच्छ नील नदी के मगरमच्छों की तुलना में काफी कम आक्रामक होते हैं और आम तौर पर इंसानों पर हमला नहीं करते हैं। बाजोले की तरह ही पूरे पश्चिमी अफ्रीका में कई ऐसे समुदाय हैं, जो इन मगरमच्छों के बेहद करीब रहते हैं। यहां तक कि उनसे डरने के बजाय उनका आदर करते हैं तथा उन्हें किसी भी प्रकार के नुकसान से बचाते हैं। बाजले के लोगों का अटूट विश्वास है कि ये मगरमच्छ बारिश के साथ आसमान से उतरे थे और यदि ये मगरमच्छ यहां से गायब हो गए, तो तालाब का पानी भी हमेशा के लिए सूख जाएगा। पवित्र मगरमच्छों की ऐसी ही अद्भुत बस्तियां मध्य-पश्चिमी बुरकीना फासो के साबो शहर में भी देखने को मिलती हैं। इसके अलावा बुरकीना फासो की सीमा से सटे घाना देश में पगा नाम का एक ऐसा शहर भी है, जहां मगरमच्छों का अपना एक समूह इंसानों के ठीक बगल में शांति से निवास करता है। बाजोले और पगा दोनों ही जगहों पर विशेष गाइड मौजूद होते हैं, जो मुर्गे को चारे के रूप में इस्तेमाल करके इन मगरमच्छों को पानी से बाहर आकर्षित करते हैं, ताकि दूर से आने वाले पर्यटक उन्हें सहला सकें और उनके साथ अपनी यादगार तस्वीरें खिंचवा सकें।

प्रीमियम वाइन शॉप कैशलेस

अब ऑनलाइन पेमेंट पर ही मिलेगी शराब

रायपुर

प्रदेश शासन तथा आबकारी विभाग के आदेश पर गुरुवार से प्रदेश की सभी प्रीमियम विदेशी मदिरा दुकानों में शराब खरीदी करने कैशलेस सुविधा शुरू कर दी गई है। कैश में शराब बिक्री पूरी तरह से बंद कर दी गई है। शराब खरीदने ग्राहकों को यूपीआई तथा कार्ड से पेमेंट करना पड़ रहा है। पहले दिन रायपुर की कई प्रीमियम शॉप में ट्रांजेक्शन में परेशानी होने की बात सामने आई है। इसके लिए सेल्समैन समेत शराब खरीदने वाले ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

इसलिए ऑनलाइन बिक्री

शराब दुकान में तय कीमत से ज्यादा कीमत पर शराब बिक्री करने की शिकायतें मिलती रहती हैं। साथ ही शराब दुकान में काम करने वाले सेल्समैन तथा अन्य के खिलाफ पैसों की अफरातफरी की शिकायतें भी होती रहती हैं। शासन ने सभी प्रीमियम शॉप से कैशलेस शराब बिक्री करने का निर्णय लिया है। इससे शराब की कीमत को लेकर पारदर्शिता बनी रहेगी।

टैक्स-ई-20 पेट्रोल की मार, 80 फीसदी चौपट हो गया पुरानी कारों का कारोबार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आम आदमी का सपना अपने घर के साथ ही कार का भी होता है। जो मध्यम वर्ग नई कार नहीं ले पाते, वे पुरानी कार खरीदकर अपना सपना पूरा करते हैं। प्रदेश में कुछ समय पहले तक पुरानी कारों का बड़ा कारोबार होता था। हर माह नई कारों से डबल करीब दस हजार से ज्यादा कारें बिकती थीं, लेकिन अब पुरानी कारों का धंधा 80 फीसदी चौपट हो गया है। इसके पीछे का कारण कारोबारी टैक्स और ई-20 पेट्रोल को बताते हैं। इस कारण अब हर माह मुश्किल से दो हजार कारें ही बिक पा रही हैं। आने वाले समय में इसका कारोबार पूरी तरह से चौपट होने की संभावना है। अपने प्रदेश में भी पुरानी कारों का बड़ा बाजार है। राजधानी रायपुर के साथ ही दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव, बिलासपुर और कोरबा सहित कई शहरों में पुरानी कारें बेचने वाले बहुत कारोबारी हैं। सबसे बड़ा कारोबार दुर्ग-भिलाई और रायपुर में होता है। रायपुर में तो मारुति कार बेचने वाली कंपनी का भी पुरानी कारें बेचने का कारोबार है। अन्य शहरों में भी मारुति कार कंपनी के डीलर पुरानी कारें बेचते हैं। कुछ और कंपनियों के डीलर भी पुरानी कारें बेचने का काम करते हैं।



कम बजट की कारें ही बिक रहीं

कारोबारियों के मुताबिक, अभी जो हर माह दो हजार कारें बिक रही हैं, वे सब कम बजट वाली हैं। इनकी कीमत एक से तीन लाख है। ज्यादा बजट वाली कारें लेने से लोग बच रहे हैं। पांच से दस लाख बजट वाली कारों का कारोबार लगभग नहीं के बराबर हो गया है। जिनके पास पांच से दस लाख का बजट है, वे इतने बजट वाली नई कार लेना पसंद कर रहे हैं। कारोबारियों के मुताबिक, जिन कारोबारियों के यहां हर माह 50 से 100 कारें बिक जाती थीं, अब मुश्किल से 10 से 20 कारें ही बिक रही हैं।